बी.ए. पाठ्यक्रम

(वर्ष 2021–22)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म0प्र0)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

बी.ए. पाठ्यक्रम (कार्यक्रम) में चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के लिए प्रस्तावित योजना

PROPOSED SCHEME FOR CHOICE BASED CREDIT SYSTEM IN B.A. PROGRAMME

क्रम No.	मूल पाठ्यक्रम / MIL Core Course/MIL	क्षमता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम Skill Enhancement Course (SEC)	अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक Discipline Specific Elective DSE)	सामान्य वैकल्पिक Generic Elective (GE)
I	**HIN-CC-111 (6 क्रेडिट)** हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास **HIN-LN-111 (6 क्रेडिट)** MIL Hindi - B.A./B.Com **आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी** – हिन्दी भाषा और साहित्यः हिन्दी (क)	**HIN-FC-111** **(2 क्रेडिट)** हिन्दी भाषा और संम्प्रेषण B.A./B.Sc/ B.Com			
II	**HIN-CC-211 (6 क्रेडिट)** हिन्दी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल) **HIN-LN-211 (6 क्रेडिट)** MIL Hindi - B.A./B.Com **आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी**– हिन्दी गद्यः उद्भव और विकास (ख)	**HIN-FC-211** **(2 क्रेडिट)** हिन्दी भाषा और संम्प्रेषण B.A./B.Sc/ B.Com			
III	**HIN-CC-311 (6 क्रेडिट)** हिन्दी कथा साहित्य **HIN-LN-311 (6 क्रेडिट)** MIL Hindi - B.A./B.Com **आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी**– हिन्दी भाषा और साहित्यः हिन्दी (क)		**HIN-SE-311** **(2 क्रेडिट)** रचनात्मक लेखन – (क)		
IV	**HIN-CC-411 (6 क्रेडिट)** अन्य गद्य विधाएँ **HIN-LN-411 (6 क्रेडिट)** MIL Hindi - B.A./B.Com **आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी**– हिन्दी गद्यः उद्भव और विकास (ख)		**HIN-SE-411** **(2 क्रेडिट)** रचनात्मक लेखन – (ख)		

V			**HIN-SE-511** **(2 क्रेडिट)** विज्ञापन और हिन्दी भाषा	**HIN-EC-511** **(6 क्रेडिट)** सृजनात्मक लेखनः सिद्धान्त और व्यवहार **अथवा** **HIN-EC-512** **(6 क्रेडिट)** पत्रकारिता लेखनः सिद्धान्त और व्यवहार	**HIN-GE-511** **(6 क्रेडिट)** हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण **अथवा** **HIN-GE-512** **(6 क्रेडिट)** हिन्दी भाषा एवं लिपि का इतिहास
VI			**HIN-SE-611** **(2 क्रेडिट)** साहित्य और हिन्दी सिनेमा	**HIN-EC-611** **(6 क्रेडिट)** सृजनात्मक हिन्दी विधाएँ **अथवा** **HIN-EC-612** **(6 क्रेडिट)** सृजनात्मक हिन्दी कथेतर विधाएँ **अथवा** **HIN-EC-613** **(6 क्रेडिट)** हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम	**HIN-GE-611** **(6 क्रेडिट)** अस्मितामूलक अध्ययन और हिन्दी साहित्य **अथवा** **HIN-GE-612** **(6 क्रेडिट)** लोक साहित्य और संस्कृति **अथवा** **HIN-GE-613** **(6 क्रेडिट)** प्रयोजनमूलक हिन्दी

नोटः-

1. इस सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों में 20-20 अंक के दो मिड होंगे। प्रथम मिड 20 अंक का लिखित होगा एवं दूसरा मिड 20 अंक लिखित/असाइमेन्ट/प्रस्तुतीकरण हो सकता है।
2. सत्रांत परीक्षा 60 अंको की होगी। प्रश्नों एवं अंको का वर्गीकरण निम्नलिखित प्रकार से होगा-

(1) व्याख्या/आलोचनात्मक प्रश्न	=3X7=21
(2) समीक्षात्मक एवं विचारपरक प्रश्न	=3X7=21
(3) लघु उत्तरीय प्रश्न	=3X4=12
(4) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	=6X1=06
	60

प्रथम
सेमेस्टर

सेमेस्टर –1

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-111	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

उद्देश्य : हिन्दी भाषा और साहित्य का अध्ययन कराने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के अन्दर हिन्दी भाषा और साहित्य का ज्ञान होगा, जिससे हमारी भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक और परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। कहा भी गया है कि साहित्य, समाज का दर्पण होता है।

इकाई–1 **आदिकाल**

हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय।

आदिकाल : काल विभाजन एवं नामकरण एवं आदिकाल की प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि तथा रचनाएँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 **भक्तिकाल**

भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास।

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 **रीतिकाल**

रीतिकाल : नामकरण।

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 **आधुनिककाल**

मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 **प्रमुख साहित्यिक वाद एवं आंदोलन**

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, नई कहानी, समकालीन कहानी का परिचयात्मक इतिहास। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी भाषा- धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी नदंदुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य संवेदना और विकास-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छायावाद-डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कविता के नए प्रतिमान- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी भाषा की संरचना-भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ-अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा।
- हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास-डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट प्रकाशन, नई दिल्ली।

CBCS

बी.ए./बी.काम. (प्रोग्राम) हिन्दी
आधुनिक भारतीय भाषा–हिन्दी
Modern Indian Language-Hindi (MIL)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-LN-111	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी भाषा और साहित्य : हिन्दी (क)

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा, बोली तथा साहित्य इतिहास विविध क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिसमें विभिन्न कालखण्डों के कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होकर वर्तमान की समय की समस्याओं से निराकरण करने का प्रयास करेंगे।

इकाई–1 : हिन्दी भाषा का विकास : परिचयात्मक अध्ययन
हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास
हिन्दी की बोलियां

इकाई–2 : हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय
आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिककाल
(परिचय, प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं कृतियाँ)

इकाई–3 : भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता : साहित्यिक परिचय एवं व्याख्या
कबीर ग्रंथावली (सं. माताप्रसाद गुप्त)
कबीर – साखी : गुरूदेव को अंग–1,2,4,15,22, सुमिरन को अंग–4,5,6,10,25
पद : 1, 21, 39, 40, 43
आलोचना : भक्तिकाल की प्रवृतियाँ, कबीर भक्ति भावना, समाजदर्शन, काव्य भाषा
तुलसीदासः रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड–दोहा नं. 25 से 30 तक
आलोचना : भक्ति दर्शन, समन्वय भावना, काव्य दृष्टि

इकाई–4 : आधुनिक हिन्दी कविता : व्याख्या एवं आलोचना
जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
निराला : तोड़ती पत्थर,
रामधारी सिंह दिनकर : मेरे नगपति मेरे विषाल
व्याख्या एवं आलोचना, काव्यगत विशेषताएं, सामाजिक चेतना, प्रगति के स्वर, राष्ट्रीय चेतना।

इकाई–5 : समकालीन कविता :
अष्टभुजा शुक्ल : जवान होते बेटों।
राजेश जोशी : बच्चे काम पर जा रहे हैं।
अनामिका : स्त्रियाँ।
व्याख्या और आलोचना–साहित्यिक परिचय, काव्य वैशिष्ट्य, सामाजिक संदर्भ

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी भाषा- धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तानी ऐकेडमी, इलाहाबाद।
- कबीर ग्रंथावली-संपादक श्यामसुन्दरदास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- मीराबाई की पदावली-परशुराम चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- बिहारी रत्नाकर-संपादक जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- घनानंद ग्रंथावली-संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
- प्रतिनिधि कविताएँ (प्रसाद, निराला, नागार्जुन एवं दिनकर)।
- प्रतिनिधि कविताएँ (उदय प्रकाश, वीरेन डंगवाल, मंगलेश डबराल और कात्यायनी)।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का अतीत- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपा. डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सामंती काव्य का परिदृश्य और बिहारी का काव्य- रामदेव शुक्ल
- हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- समकालीन हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर–(1 अथवा 2)

क्षमता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम
Ability Enhancement Compulsory Course (F.C.)
(बी.ए./बी.एस–सी./बी.काम. के सभी विद्यार्थियों के लिए)

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-FC-111	(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा सम्प्रेषण के महत्त्व को जान सकेंगे तथा उसे अपने जीवन में उपयोग कर सकेंगे। एक अच्छा सम्प्रेषण की किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को नई पहचान दिलाता है। इसके उपयोग से विद्यार्थियों और समाज के बीच अच्छा सम्बन्ध स्थापित हो सकेगा। साथ ही हमारे महापुरुष के जीवनी से प्रभावित होकर अपने जीवन को उत्कर्ष पर जाने का प्रयास कर पायेंगे।

इकाई– 1 : भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धांत
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के विभिन्न मॉडल **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 2 : संप्रेषण के प्रकार
- मौखिक और लिखित
- वैयक्तिक और सामाजिक
- व्यावसायिक
- संप्रेषण बाधाएँ और रणनीति **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 3 : संप्रेषण के माध्यम
- एकालाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 4 : पाठ विश्लेषण–1

संप्रेषण के लिखित माध्यम के रूप में आत्मकथा
- डॉ. हरीसिंह गौर की आत्मकथा 'सेवेन लाइव्ज़' का अंश (कैम्ब्रिज में मेरा जीवन) **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 5 : पाठ विश्लेषण–2

संप्रेषण के लिखित माध्यम के रूप में कोई एक महत्वपूर्ण भाषण
- महात्मा गांधी–काषी हिन्दू विश्वविद्यालय में दिया गया दीक्षान्त भाषण
- प्रेमचंद – साहित्य का उद्देश्य

(06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- ‘सेवेन लाइव्ज़’ – डॉ. हरीसिंह गौर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, सागर (म.प्र.)
- संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
- प्रेमचंद – साहित्य का उद्देश्य
- महात्मा गांधी – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का दीक्षान्त भाषण

सहायक ग्रंथ –

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- रचना का सरोकार – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

द्वितीय सेमेस्टर

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-211	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालखण्डों के कवियों की कविता, जो तत्कालीन समाज का दस्तावेज है, उससे बखूबी परिचित हो सकेंगें। साथ ही वर्तमान समय में उनकी कविता की प्रासंगिकता का को भी समझ सकेंगे।

इकाई–1 : **कबीर**–गुरूदेव को अंग 3, 4, 11, 21, 34, सुमरिन को अंग–5, 8, 9, 28, विरह को अंग–2, 6, 11, 12,15 (श्यामसुंदर दास ग्रंथावली)
सूरदास–सूरसागर–सार, संपा.डॉ. धीरेंद्र वर्मा, साहित्य भवन, 1990 ई.
भक्ति और विनय के पद– 2, 23, 25, 39, 44
उद्धव संदेश– 65, 69, 70, 132, 135
गोस्वामी तुलसीदास– विनयपत्रिका 1, 41, 87, 88, 105,
रामचरितमानस : उत्तरकांड– 23, 61, 69, 97, 111 (ख), 130 **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 : **बिहारी**– जगन्नाथ दास रत्नाकर–बिहारी रत्नाकर
छंद संख्या–25, 38, 39, 41, 51, 62, 69, 70, 101, 121
घनानंद– घनानंद कवित्त– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
छंद संख्या– 1, 3, 7, 11, 14, 15, 32 **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 : **जयशंकर प्रसाद**– बीती विभावरी जाग री! (लहर)
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – वर दे वीणा वादिनी।
रामधारी सिंह 'दिनकर' – आग की भीख। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 : **अज्ञेय** – कलगी बाजरे की
केदारनाथ अग्रवाल – बसंती हवा
मुक्तिबोध – भूल गलती
भवानी प्रसाद मिश्र – श्रम की महिमा **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 : **केदारनाथ सिंह** – हक दो
ओमप्रकाश वाल्मीकि – युग चेतना
उदय प्रकाश – ताना बाना
सुशीला टाकभौरे – नहीं हारेगी कभी **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- कबीर ग्रंथावली-श्यामसुन्दरदास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सूरसागर सार- संपादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
- विनयपत्रिका-तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- श्रीरामचरितमानस-गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- घनानंद कवित्व-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा।
- भारत भारती-साहित्य सदन झांसी, उ०प्र०।
- लहर-जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- राग-विराग-डॉ. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- प्रतिनिधि कविताएँ-अज्ञेय, केदारनाथ अग्रवाल, भवानी प्रसाद मिश्र, केदारनाथ सिह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि कविताएँ- अरूण कमल, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ -

- कबीर-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- त्रिवेणी- रामचंद्र शुक्ल, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
- गोस्वामी तुलसीदास-रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रसाद का काव्य- प्रेम शंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- लोकवादी तुलसीदास- विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आनंदघन- रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सांमती काव्य का परिदृश्य और बिहारी, रामदेव शुक्ल
- समकालीन काव्य -विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
- आधुनिक काव्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।

सेमेस्टर–(2 अथवा 4)

CBCS

बी.ए./बी.काम. (प्रोग्राम) हिन्दी

आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी

Modern Indian Language Hindi (MIL)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-LN-211	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास (ख)

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र के द्वारा विद्याथी हिन्दी गद्य के विभिन्न रूपों सामान्य रूप से परिचित हो सकेंगे। इसके अलावा हिन्दी गद्य के विविध विधाओं कहानी, निबन्ध, व्यंग्य, संस्मरण और उसके मुख्य कवियों का की अच्छी समझ रख सकेंगे। कहानी, निबन्ध, व्यंग्य और संस्मरण के इन कवियो ने व्यक्ति और समाज में जो सम्बन्ध स्थापित किया है, उसके मूल उद्देश्य को जीवन में जोड़ने की एक सार्थक कड़ी है।

इकाई–1 **हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय।** **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 **कहानी : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ**

प्रेमचंद : ठाकुर का कुआँ

फणीश्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम

चित्रा मुद्गल : जंगल **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 **निबन्ध : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ**

आचार्य रामचंद्र शुक्ल : उत्साह

कुबेरनाथ राय : भाषा बहता नीर **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 **व्यंग्य : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ**

हरिशंकर परसाई : भोलाराम का जीव

शरद जोषी : जीप पर सवार इल्लियाँ **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 **संस्मरण : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ**

अज्ञेय : वसंत का अग्रदूत

कांतिकुमार जैन : डॉ. हरीसिंह गौर : दमड़ी दमड़ी माया जोड़ी।

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- प्रतिनिधि कहानियाँ– मुंशी प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि कहानियाँ– जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि कहानियाँ– मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- चिन्तामणि भाग–१ : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- तिरछी रेखाएँ– हरिशंकर परसाई : संपादक कांतिकुमार जैन।
- जीप पर सवार इल्लियाँ–शरद जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- निबंधों की दुनिया– विजयदेव नारायण साही, निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य सहित्य– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,
- हिन्दी रेखाचित्र– हरवंश लाल शर्मा
- निबंधों की दुनिया–शिवपूजन सहाय, निर्मला जैन/अनिल राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर–(1 अथवा 2)

क्षमता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम
Ability Enhancement Compulsory Course (F.C.)
(बी.ए./बी.एस–सी./बी.काम. के सभी विद्यार्थियों के लिए)
हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-FC-211	**(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		2	0	0	2

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा सम्प्रेषण के महत्त्व को जान सकेंगे तथा उसे अपने जीवन में उपयोग कर सकेंगे। एक अच्छा सम्प्रेषण की किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को नई पहचान दिलाता है। इसके उपयोग से विद्यार्थियों और समाज के बीच अच्छा सम्बन्ध स्थापित हो सकेगा। साथ ही हमारे महापुरुष के जीवनी से प्रभावित होकर अपने जीवन को उत्कर्ष पर जाने का प्रयास कर पायेंगे।

इकाई– 1 : भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धांत
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के विभिन्न मॉडल **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 2 : संप्रेषण के प्रकार
- मौखिक और लिखित
- वैयक्तिक और सामाजिक
- व्यावसायिक
- संप्रेषण बाधाएँ और रणनीति **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 3 : संप्रेषण के माध्यम
- एकालाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 4 : पाठ विश्लेषण–1
संप्रेषण के लिखित माध्यम के रूप में आत्मकथा
- डॉ. हरीसिंह गौर की आत्मकथा 'सेवेन लाइव्ज़' का अंष (कैम्ब्रिज में मेरा जीवन) **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 5 : पाठ विश्लेषण–2
संप्रेषण के लिखित माध्यम के रूप में कोई एक महत्वपूर्ण भाषण
- महात्मा गांधी– काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में दिया गया दीक्षान्त भाषण
- प्रेमचंद– साहित्य का उद्देश्य

(06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- 'सेवेन लाइव्ज़' – डॉ. हरीसिंह गौर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, सागर (म.प्र.)
- संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
- प्रेमचंद – साहित्य का उद्देश्य
- महात्मा गांधी – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का दीक्षान्त भाषण

सहायक ग्रंथ –

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- रचना का सरोकार – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-311	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी कथा साहित्य

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में हिन्दी कथा साहित्य की प्रमुख विधा कहानी, उपन्यास के उद्भव और विकास यात्रा को जान सकेंगे तथा विभिन्न कालखण्ड के कहानीकारों की कहानियां पाठ, व्याख्या और आलोचना के माध्यम से वर्तमान समय की सामाजिक, राजनीतिक, पारिवारिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि समस्याओं से अपने जीवन में एक नया आयाम ढूढ़ने सकेंगे।

इकाई–1 हिन्दी कथा साहित्य का विकास : कहानी
हिन्दी कहानी : विकास, प्रवृत्तियाँ और स्वरूप, विभिन्न युग और प्रमुख कहानी आन्दोलन **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 कहानी : व्याख्या और आलोचना
उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
दो बैलों की कथा – प्रेमचंद
रोज – अज्ञेय **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 कहानी : व्याख्या और आलोचना
सलाम– ओम प्रकाश वाल्मीकि
पगहा जोरी जोरी रे घटो– रोज केरकट्टा
बोलने वाली औरत– ममता कालिया **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 हिन्दी कथा साहित्य का विकासः उपन्यास
हिन्दी उपन्यास : उद्भव, प्रवृत्तियाँ, स्वरूप **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 उपन्यास : व्याख्या और आलोचना
आपका बंटी : मन्नू भंडारी **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- आपका बंटी-मन्नु भण्डारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- एक दुनिया समानान्तर-राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- बोलने वाली औरत-ममता कालिया।
- श्रेष्ठ हिन्दी कहानियाँ-संपादक स्वयंप्रकाश।

सहायक ग्रंथ-

- प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- नई कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, तुर्कमान गेट, दिल्ली।
- हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान- रामदरश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार- विश्वनाथ त्रिपाठी राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर–(1 अथवा 3)

CBCS

बी.ए./बी.काम. (प्रोग्राम) हिन्दी

आधुनिक भारतीय भाषा–हिन्दी

Modern Indian Language-Hindi(MIL)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
		L	T	P	C
HIN-LN-311	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	6	0	0	6

हिन्दी भाषा और साहित्य : हिन्दी (क)

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा, बोली तथा साहित्य इतिहास विविध क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिसमें विभिन्न कालखण्डों के कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होकर वर्तमान की समय की समस्याओं से निराकरण करने का प्रयास करेंगे।

इकाई–1 : हिन्दी भाषा का विकास : परिचयात्मक अध्ययन

हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

हिन्दी की बोलियां

इकाई–2 : हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय

आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिककाल

(परिचय,प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं कृतियाँ)

इकाई–3 : भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता : साहित्यिक परिचय एवं व्याख्या

कबीर ग्रंथावली (सं. माताप्रसाद गुप्त)

कबीर – साखी : गुरूदेव को अंग–1,2,4,15,22, सुमिरन को अंग–4,5,6,10,25

पद : 1,21,39,40,43

आलोचना : भक्तिकाल की प्रवृतियाँ, कबीर भक्ति भावना, समाजदर्शन, काव्य भाषा

तुलसीदासः रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड–दोहा नं. 25 से 30 तक

आलोचना : भक्ति दर्शन, समन्वय भावना, काव्य दृष्टि

इकाई–4 : आधुनिक हिन्दी कविता : व्याख्या एवं आलोचना

जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

निराला : तोड़ती पत्थर,

रामधारी सिंह दिनकर : मेरे नगपति मेरे विषाल

व्याख्या एवं आलोचना, काव्यगत विशेषताएं, सामाजिक चेतना, प्रगति के स्वर, राष्ट्रीय चेतना।

इकाई–5 : समकालीन कविता :

उदयप्रकाश : ताना बाना।

राजेश जोशी : बच्चे काम पर जा रहे हैं।

अनामिका : स्त्रियाँ।

व्याख्या और आलोचना–साहित्यिक परिचय,काव्य वैशिष्ट्य, सामाजिक संदर्भ

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी भाषा- धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तानी ऐकेडमी, इलाहाबाद।
- कबीर ग्रंथावली- संपादक श्यामसुन्दरदास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- मीराबाई की पदावली- परशुराम चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- बिहारी रत्नाकर- संपादक जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- घनानंद ग्रंथावली- संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
- प्रतिनिधि कविताएँ (प्रसाद, निराला, नागार्जुन एवं दिनकर)।
- प्रतिनिधि कविताएँ (उदय प्रकाश, वीरेन डंगवाल, मंगलेश डबराल और कात्यायनी)।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का अतीत- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपा. डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सामंती काव्य का परिदृश्य और बिहारी का काव्य- रामदेव शुक्ल
- हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- समकालीन हिन्दी कविता- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
कौशल संवर्धन पाठ्क्रम
Skill Enhancement Course (SEC)
(रचनात्मक लेखन–क)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 3 घंटे	क्रेडिट			
HIN-SE-311	(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

रचनात्मक लेखन- (क)

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लेखन के माध्यम से उनके अन्दंर भाषाज्ञान, भाषा–अभिव्यक्ति, शब्दअभिव्यक्ति का विकास होगा और हिन्दी भाषा के विविध अवधारणाओं को भी समझ रख सकेंगे। इसके साथ–साथ उनके साहित्यिक लेखन कविता, कहानी, उपन्यास, संस्मरण, डायरी, रिपोतार्ज एवं पत्रकारिता आदि में उनकी रूचि होगी।

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अभिप्राय, स्वरूप और विविध आयाम
कविता, कथा, नाटक **(06 व्याख्यान)**

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन : उद्देश्य, प्रक्रिया और समस्याएँ
साहित्य, पत्रकारिता और गद्य लेखन **(06 व्याख्यान)**

इकाई 3 : सामाजिक रचनात्मक लेखन के सरोकर,
राजनीतिक, आर्थिक और वर्गीय–चेतना **(06 व्याख्यान)**

इकाई 4 : रचनात्मक लेखन : भाषा, अभिव्यक्ति और कौशल
शब्द की महत्ता, शब्द के विविध प्रयोग **(06 व्याख्यान)**

इकाई 5 : रचनात्मक लेखन : आधुनिक माध्यम और अभिव्यक्ति ट्वीटर, ब्लॉग, फेसबुक
(06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी की परिभाषिक शब्दावली- अमरनाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी आलोचना के बीज शब्द- डॉ. बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य कोश- डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

सहायक ग्रंथ-

- साहित्य का सौंदर्यचिंतन- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सृजनशीलता और सोंदर्यबोध- निशा अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- कविता से साक्षात्कार- मलयज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कविता क्या है- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- एक कवि की नोटबुक- राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

चतुर्थ
सेमेस्टर

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-411	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

अन्य गद्य विधाएँ

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी गद्य विधाओं निबन्ध, संस्मरण, जीवनी, व्यंग्य, डायरी एवं आत्मकथा का पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ के विविध पहलूओं का बारीकी से समझते हुए व्यक्ति, समाज, और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भमिको को निभाने का प्रयास करेंगे।

इकाई–1 : निबन्ध : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु

श्रद्धा और भक्ति – रामचंद्र शुक्ल **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 : संस्मरण : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

जंग बहादुर : संस्मरण –महादेवी वर्मा

नंगातलाई का गाँव ('नंगातलाई का गाँव' पुस्तक से) – विश्वनाथ त्रिपाठी

(15 व्याख्यान)

इकाई–3 : जीवनी एवं यात्रा वृतांत : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

विष्णु प्रभाकर (जीवनी) – आवारा मसीहा (आरम्भिक प्रसंग)

सौन्दर्य की नदी नर्मदा (यात्रावृतांत) – अमृत लाल बेगड़ **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 : व्यंग्य एवं एकांकी : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

सदाचार का ताबीज (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

स्ट्राइक (एकांकी) – भुवनेश्वर **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 : डायरी एवं आत्मकथा : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

बंजारा मन और बंदिसे – (डायरी) मधु काकरिया

जिव तरसे पिया मिलन को (कस्तूरी कुण्डल बसै : आत्मकथा अंश) – मैत्रेयी पुष्पा

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- भारतेन्दु ग्रथावली - प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
- चिन्तामणि भाग-१ : रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- अतीत के चलचित्र - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सौन्दर्य की नदी नर्मदा- अमृतलाल बेगड़, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
- आवारा मसीहा- विष्णु प्रभाकर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली।
- नंगा तलाई का गाँव- विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सदाचार का ताबीज- हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कस्तुरी कुण्डल बसै- मैत्रेयी पुष्पा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिंदी गद्य का विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- निबंधों की दुनिया- विजयदेवनाराणा साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- निबंधों की दुनिया - शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण २००७
- छायावादोत्तर गद्य साहित्य- विश्वनाथप्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

बी.ए./बी.काम. (प्रोग्राम) हिन्दी
आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी
Modern Indian Language Hindi (MIL)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-LN-411	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास (ख)

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र के द्वारा विद्याथी हिन्दी गद्य के विभिन्न रूपों सामान्य रूप से परिचित हो सकेंगे। इसके अलावा हिन्दी गद्य के विविध विधाओं कहानी, निबन्ध, व्यंग्य, संस्मरण और उसके मुख्य कवियों का की अच्छी समझ रख सकेंगे। कहानी, निबन्ध, व्यंग्य और संस्मरण के इन कवियो ने व्यक्ति और समाज में जो सम्बन्ध स्थापित किया है, उसके मूल उद्देश्य को जीवन में जोड़ने की एक सार्थक कड़ी है।

इकाई–1 **हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय।** **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 **कहानी : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ**

प्रेमचंद : ठाकुर का कुआँ

फणीष्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम

चित्रा मुद्गल : जंगल **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 **निबन्ध : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ**

आचार्य रामचंद्र शुक्ल : उत्साह

कुबेरनाथ राय : भाषा बहता नीर **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 **व्यंग्य : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ**

हरिशंकर परसाई : भोलाराम का जीव

षरद जोषी : जीप पर सवार इल्लियाँ **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 **संस्मरण : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ**

अज्ञेय : वसंत का अग्रदूत

कांतिकुमार जैन : डॉ. हरीसिंह गौर : दमड़ी दमड़ी माया जोड़ी।

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- प्रतिनिधि कहानियाँ–मुंषी प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि कहानियाँ–जयषंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि कहानियाँ–मोहन राकेष, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- चिन्तामणि भाग–1 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद।
- तिरछी रेखाएँ–हरिषंकर परसाई : संपादक कांतिकुमार जैन।
- जीप पर सवार इल्लियाँ–षरद जोषी, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी का गद्य साहित्य –रामचंद्र तिवारी, विष्वविद्यालय प्रकाषन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाषन, नई दिल्ली।
- निबंधों की दुनिया–विजयदेव नारायण साही, निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा, वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली।
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य सहित्य–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,
- हिन्दी रेखाचित्र–हरवंश लाल शर्मा
- निबंधों की दुनिया–शिवपूजन सहाय, निर्मला जैन/अनिल राय, वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर–4

CBCS

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम
Skill Enhancement Course (SEC)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-SE-411	(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

रचनात्मक लेखन- (ख)

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लेखन के माध्यम से उनके अन्दंर कविता की संवेदना, स्चरूप, भाषा, छंद, लय, गति आदि की समझ का विकास होगा और सूचना तंत्र, इलेक्ट्रानिक माध्यम, बालसाहित्य आदि विविध अवधारणाओं को भी समझ रख सकेंगे। इसके साथ-साथ उनके पटकथा लेखन एवं फीचर फिल्म, पुस्तक समीक्षा आदि कौशलों में रूचि उत्पन्न होगी।

इकाई– 1 : विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन
(क) कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा, छंद, लय, गति और तुक
(ख) कथा साहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश एवं विमर्श
(ग) नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश एवं रंगकर्म **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 2: विविध गद्य–विधाओं की आधारभूत संरचना
(क) निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोतार्ज
(ख) बालसाहित्य की आधारभूत संरचना **(06 व्याख्यान)**

इकाई– 3 : सूचना–तंत्र के लिए लेखन
(क) प्रिंट माध्यम : फीचर–लेखन, यात्रा–वत्तांत,
(ख) साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा । **(06 व्याख्यान)**

इकाई–4 : इलेक्ट्रॉनिक माध्यम
(क) रेडियो एवं टेलीविजन लेखन
(ख) पटकथा लेखन **(06 व्याख्यान)**

इकाई–5 : रचनात्मकता के वैकल्पिक एवं लोकप्रिय माध्यम :
विज्ञापन लेखन, जिंगल्स आदि। **(06 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- पटकथा लेखन : एक परिचय–मनोहर श्यामजोषी, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।

- मीडिया और बाजारवाद–रामषरण जोषी, राधाकृष्ण प्रकाषन, इलाहाबाद।
- हिन्दी का गद्य साहित्य –रामचंद्र तिवारी, विष्वविद्यालय प्रकाषन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाषन, नई दिल्ली।
- उपन्यास सृजन की समस्याएँ – शमशेर सिंह नरूला
- इलेक्ट्रानिक मीडिया–पी.के. आर्य।
- संचार और मीडिया शोध–विनीता गुप्ता।
- मीडिया और वर्तमान संदर्भ–चक्रधर कंडवाल।
- विज्ञापन और ब्रांड–संजय सिंह बघेल, सस्ता साहित्य मण्डल, दिल्ली।
- रेडियो लेखन– मधुकर गंगाधर, साहित्य अकादमी, पटना, बिहार।

सहायक ग्रंथ–

- उपन्यास की संरचना– गोपाल राय, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- पत्रकारिता लेखन के आयाम– मनोहर प्रभाकर
- सर्जक का मन– नंदकिशोर आचार्य, ग्रंथ अकादमी, दिल्ली।
- शब्द–शक्ति विवेचन– रामलखन शुक्ल

पंचम
सेमेस्टर

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
कौषल संवर्धन पाठ्यक्रम
Skill Enhancement Course (SEC)

प्रष्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-SE-511	(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

विज्ञापन और हिन्दी भाषा

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञापन का महत्व, विज्ञापन से रोजगार और वर्तमान समय में विज्ञापन की उपयोगिता की समझ विकसित होगी। जबकि वर्तमान समय में विज्ञापन व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपने जीवन में रोजगार ढूढ़ने का प्रयास कर सकेंगे।

इकाई–1 :	विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार।	(06 व्याख्यान)
इकाई–2 :	विज्ञापन का महत्त्व : सामाजिक एवं व्यावसायिक महत्व, मार्केटिंग और ब्रांड–निर्माण।	(06 व्याख्यान)
इकाई–3 :	विज्ञापन : नए संदर्भ, प्रायोजित कायर्क्रम	(06 व्याख्यान)
इकाई–4 :	विज्ञापन : माध्यम का चयन – रेडियो, टी.वी. एवं मोबाइल समाचार पत्र, वाल राइटिंग	(06 व्याख्यान)
इकाई–5 :	विज्ञापन : भाषा, शैली और संरचना	(06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन– विजय कुलश्रेष्ठ, विजय प्रकाषन, दिल्ली।

- जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य– सुधीश पचौरी, जयपुर यूनिवर्सिटी पब्लिकेषन, जयपुर।
- डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाषन,
- ब्रेक के बाद – सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाषन प्रा.लि., नई दिल्ली।

वेबलिंक –

- www.adbrands.net
- www.afaqs.com
- www.adgully.com

सेमेस्टर – 5

CBCS

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक

Discipline Specific Elective (DSE)

विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्क्रम – 1

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-511	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर	L	T	P	C
		6	0	0	6

सृजनात्मक लेखन : सिद्धांत और व्यवहार

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लेखन के माध्यम से उनके अन्दंर सृजनात्मक लेखन विकास होगा और हिन्दी भाषा के विविध अवधारणाओं को भी समझ रख सकेंगे। इसके साथ-साथ उनके साहित्यिक लेखन कविता, कहानी, उपन्यास, संस्मरण, डायरी, रिपोतार्ज एवं पत्रकारिता आदि में उनकी रूचि होगी और विविध विधाओं को सृजन करने की क्षमता विकसित होगी।

इकाई –1 : सृजनात्मक लेखन : सामान्य परिचय :
सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व, सृजनात्मक लेखन के प्रमुख तत्व, सृजनात्मक लेखन का उद्देश्य।

इकाई –2 : सृजनात्मक लेखन : रूप और अर्न्तवस्तु
निर्धारक तत्व–विचारधारा, यथार्थ, आदर्ष एवं सौन्दर्य बोध

इकाई –3 : सृजनात्मक लेखन की भाषा : कथा भाषा, काव्य भाषा और नाट्य भाषा,

इकाई –4 : सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया : अनुभूति, अभिव्यक्ति, प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास, रचना प्रक्रिया, लेखन कार्य का पाठ एवं आवष्यक सुधार।

इकाई –5 : सृजनात्मक लेखन के रूप :
संचार माध्यमों के लिए लेखन, समाचार पत्र–पत्रिकाओं के लिए लेखन, पुस्तक समीक्षा, पत्र लेखन, रेडियो वार्ता, स्लोगन, भाषण लेखन।

आधार ग्रंथ–

- रचनात्मक लेखन – सं. रमेष गौतम
- रचनात्मक लेखन– हरीष अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
- सामजिक यथार्थ और कथा भाषा – सं. अज्ञेय

सहायक ग्रंथ–

- संचार भाषा हिंदी – सूर्य प्रसाद दीक्षित
- बदलता समाज मनोविज्ञान और हिंदी – पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी

सेमेस्टर – 5

CBCS

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक

Discipline Specific Elective (DSE)

विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्क्रम – 2

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-512	**(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		6	0	0	6

पत्रकारिता लेखन : सिद्धांत और व्यवहार

उद्देश्य : पत्रकारिता लेखन हिन्दी साहित्य की महत्वपूर्ण रही है। इसके माध्यम से विद्यार्थी के अन्दर पत्रलेखन कला, कौशल–क्षमता का विकास होगा और उनके जीवन में पत्रकारिता सम्बन्धित रोजगार सरलता मिलने की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा विद्यार्थी को फिल्म समीक्षा, प्रूफ रीडिंग, श्लोगन लेखन, पम्पलेट लेखन आदि विविध रोजगार की मौजूद है।

इकाई –1 : पत्रकारिता लेखन : सामान्य परिचय

पत्रकारिता लेखन : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व, पत्रकारिता लेखन के प्रमुख तत्व, पत्रकारिता लेखन के उद्देश्य। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –2 : पत्रकारिता लेखन : व्यवहार और क्षेत्र

फीचर, संपादकीय, रिर्पोटिंग, कालम लेखन, डमी, लेआउट एवं शीर्षक लेखन। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –3 : पत्रकारिता लेखन का रचनात्मक पहलू :

पत्रकारिता लेखन की भाषा, वैचारिक दृष्टि, विषयवस्तु, साहित्यिक लेखन, प्रचार सामग्री लेखन, फिल्म समीक्षा, महिला–लेखन, बाल–साहित्य एवं खेल संबंधी लेखन। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –4 : पत्रकारिता लेखन की प्रक्रिया : पत्रकारिता लेखन के आधार–अनुकूल परिस्थितियां, विषय का ज्ञान, अभ्यास, रचना प्रक्रिया–विषय वस्तु का चयन, लेखन कार्य का पठन एवं आवष्यक सुधार, प्रूफ रीडिंग। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –5 : पत्रकारिता लेखन के रूप :

साहित्यिक पत्रकारिता, राजनीतिक पत्रकारिता, आंचलिक पत्रकारिता, खेलपत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास–जगदीष प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाषन, दिल्ली।
- हिन्दी पत्रकारिता का व्योम–श्रीनिवास सिंह।
- मीडिया विमर्ष–रामषरण जोषी।
- ग्लोबल और मीडिया हिन्दी पत्रकारिता–डॉ. हरीष अरोड़ा।
- हिन्दी पत्रकारिता की शब्द–सम्पदा–डॉ. बदरीनाथ कपूर, प्रभात प्रकाषन, दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- संचार भाषा हिंदी– सूर्यप्रसाद दीक्षित
- बदलता समाज मनोविज्ञान और हिंदी, पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी
- हिन्दी का गद्य साहित्य–डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विष्वविद्यालय प्रकाषन, वाराणसी।

सेमेस्टर – 5

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (सामान्य वैकल्पिक) – 1

Generic Elective (GE)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-GE-511	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के द्वारा विद्यार्थियों में भाषा और व्याकरण सम्बन्धित सम्यक ज्ञान का विकास हो सकेगा, जिससे उससे अभिव्यक्ति में अशुद्धि न होने की संभावना होगी। इससे उनका लेखन कार्य शुद्ध, स्पष्ट, शैलीपूर्ण, आकर्षक और रूचीकर होगी।

इकाई : 1 **भाषा और व्याकरण** : भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं, व्याकरण की परिभाषा, महत्व भाषा और व्याकरण का अन्तः संबंध **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 2 **हिन्दी वर्णमाला, देवनागरी लिपि और शब्द सम्पदा**
षब्दों के भेद–तत्सम्, तद्भव, देषज, विदेषी (स्रोत के आधार पर) एवं उपसर्ग, प्रत्यय एवं षब्द और पद में अन्तर और अषुद्वियां **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 3 **व्याकरण व्यवहार** : व्याकरणिक श्रेणियाँ (संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया, विशेषण और क्रिया विषेषण और लिंग, वचन, कारक आदि) **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 4 **शब्द निर्माण**–,संधि, समास, मुहावरे लोकोक्तियां और पारिभाषिक शब्दावली। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 5 **हिन्दी वाक्य परिचय** : कर्त्ता कर्म, वाक्य के अंग–उद्देष्य और विधेय, वाक्य के भेद। वाक्यगत अषुद्वियां एवं विराम चिन्ह। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली।
- हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधकृष्ण प्रकाशन,

सहायक ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी भाषा विज्ञान– डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

सेमेस्टर – 5

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (सामान्य वैकल्पिक) – 2
Generic Elective (GE)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-GE-512	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी भाषा एवं लिपि का इतिहास

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों भाषा की अवधारणा, स्वरूप, उपभाषाएं, लिपि और इतिहास के विकास का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। इसके साथ ही अपनी भारतीय ऐतिहासिक लेखन पद्धति तथा पांडूलिपियों की समझ विकसित होगी एवं सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद, हिन्दी शिक्षक तथा प्रवासी साहित्य का भी समुचित बोध प्राप्त होगा।

इकाई : 1 भाषा की अवधारणा एवं स्वरूप :
भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं, भाषा का मानक स्वरूप हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा और बोली, **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 2 हिन्दी की उपभाषाएं :
पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, पहाड़ी हिन्दी व उनकी बोलियाँ एवं विशेषताएँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 3 भाषा के विविध रूप :
संचार भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, भाषा की संवैधानिक स्थिति। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 4 लिपि का इतिहास :
लिपि का प्रारम्भ, लिपि विकास के चरण, भारतीय लिपियाँ–खरोष्ठी लिपि, ब्राह्मी लिपि और देवनागरी लिपि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 5 हिन्दी का भविष्य :
सूचना प्रौद्योगिकी, वैष्विक परिदृश्य, विदेषो में हिन्दी षिक्षण, अनुवाद, हिन्दी का प्रवासी साहित्य **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली।
- हिन्दी शब्दानुषासन : किषोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना–वासुदेवषरण अग्रवाल,

सहायक ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाषन, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।

षष्ठ
सेमेस्टर

सेमेस्टर–6

CBCS

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी : कौशल संवर्धन पाठ्क्रम

Skill Enhancement Course (SEC)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-SE-611	(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

साहित्य और हिन्दी सिनेमा

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों के अन्दर साहित्य और हिन्दी सिनेमा के सम्बन्ध के महत्व के समझ सकेंगे। हम जानते हैं कि सिनेमा का आधार बिन्दु साहित्य ही है। यदि विद्यार्थी साहित्य की अच्छी समझ रखता है तो वह सिनेमा लेखन की प्रस्तुति और दर्शन बोध को जीवन में उतार सकेगा, जिससे उसके भीतर मानवीय और नैतिक मूल्य का विकास हो सकेगा।

इकाई – 1 : साहित्य और सिनेमा : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन। **(06 व्याख्यान)**

इकाई – 2 : साहित्य और हिन्दी सिनेमा : प्रमुख साहित्यिक कृतियों की सिनेमाई प्रस्तुति – उमराव जान, चित्रलेखा, देवदास, शतरंज के खिलाड़ी। **(06 व्याख्यान)**

इकाई – 3 : हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ। **(06 व्याख्यान)**

इकाई – 4 : साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक। **(06 व्याख्यान)**

इकाई – 5 : फिल्म समीक्षा :
मदर इंडिया, तारे ज़मीं पर, हिन्दी मीडियम **(06 व्याख्यान)**

संदर्भ एवं सहायक ग्रंथ :

- मनमोहन चढ्ढा : हिन्दी सिनेमा का इतिहास
- विपिन शर्मा : नई सदी का सिनेमा
- प्रचण्ड प्रवीर : अभिनव सिनेमा
- ललित जोषी : हाउसफुल
- अमृतलाल नागर : फिल्मक्षेत्रे रंगक्षेत्रे
- मन्नु भंडारी : कथा पटकथा
- प्रहलाद अग्रवाल : बाजार के बाजीगर

सेमेस्टर –6

CBCS

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी : अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक

Discipline Specific Elective (DSE)

विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्क्रम – 1

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-611	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

सृजनात्मक हिन्दी विधाएँ

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लेखन के माध्यम से उनके अन्दंर सृजनात्मक लेखन विकास होगा। हिन्दी साहित्य विविध विधाओं कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी आदि को पढ़कर विद्यार्थी में लेखन शैली का ज्ञान विकसित हो सकेगा।

इकाई : 1 कविता : महादेवी वर्मा – जाग तुझको दूर जाना

अज्ञेय – असाध्यवीणा

नरेष सक्सेना – गिरना **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 2 कहानी : प्रेमचंद – कफन

जैनेन्द्र – पाजेब

उदय प्रकाश – तिरिक्ष **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 3 उपन्यास : विनोदकुमार शुक्ल – दीवार में एक खिड़की रहती थी

(15 व्याख्यान)

इकाई : 4 नाटक : धर्मवीर भारती – अंधायुग

(15 व्याख्यान)

इकाई : 5 एकांकी : रामकुमार वर्मा – औरंगजेब की आखिरी रात

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- प्रतिनिधि कविताएँ–केदारनाथ अग्रवाल, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- समुद्र पर हो रही है बारिष – नरेष सक्सेना

- प्रतिनिधि कहानियाँ–प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि कहानियाँ–उदयप्रकाष, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- दीवार में एक खिड़की रहती थी –विनोदकुमार शुक्ल, वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी का गद्यसाहित्य, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष, सं. रामदरश मिश्र, गिरिनार प्रकाषन, नई दिल्ली।
- असाध्यवीणा : पाठ और आलोचनात्मक संदर्भ – (सं.) छबिल कुमार मेहेर, आधार प्रकाषन, चंडीगढ़

सेमेस्टर – 6

CBCS

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

ऐच्छिक पाठ्क्रम (सामान्य वैकल्पिक) –3

Generic Elective (GE)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-GE-613	**(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		6	0	0	6

प्रयोजनमूलक हिन्दी

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रयोजनमूलक हिन्दी के आशय, सिद्धांत प्रविधि, स्वरूप और उसकी विशेषताओं को जान सकेंगे। भाषा के विविध रूपों और उसकी उत्पत्ति का संक्षिप्त परिचय का बोध प्राप्त करने के साथ-साथ अपने जीवन में, सरकारी कार्यालयों में निबन्ध एवं पत्र लेखन का उपयोग जान करेंगे।

इकाई –1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : आषय, सिद्धान्त, प्रविधि, स्वरूप एवं विषेषताएँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –2 भाषा के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, परिनिष्ठित भाषा, सम्पर्क भाषा।

भारतीय भारतीय भाषाओं की संवैधानिक स्थिति। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –3 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी भाषा का संक्षिप्त परिचय।

हिन्दी की विषेषताएं। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –4 सरकारी पत्राचार के प्रकारः सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेष, राजपत्र, संकल्प अधिसूचना, अनुस्मारक, प्रतिवेदन। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –5 सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त हिन्दी के प्रकार : सार लेखन या संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी लेखन, निबंध लेखन। **(15 व्याख्यान)**

संदर्भ ग्रंथ

- नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सुधीष पचौरी
- अन्तरसांस्कृतिक संचार – डॉ. मुक्तिनाथ – अर्चना ष्षर्मा
- हिन्दी बेव साहित्य– डॉ. सुनील कुमार लवरे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – संरचना एवं अनुप्रयोग– डॉ. रामप्रकाष, डॉ. दिनेष गुप्त

सेमेस्टर – 6

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ऐच्छिक पाठ्क्रम (सामान्य वैकल्पिक) –1

Generic Elective (GE)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-GE-611	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

अस्मितामूलक अध्ययन और हिन्दी साहित्य

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय समाज के उस उस वर्ग को समझ सकेगा, जो सदियों से अपमानित, वंचित, प्रताड़ित, अस्पृश्य समझे जाते हैं। इसके माध्यम वर्तमान समय के विविधि विमर्श जैसे दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श की समझा पैदा होगी तथा मुख्य धारा के साहित्य और हाशिये के साहित्य के बीच तुलनात्मक यथार्थ दृष्टि विकसित होगी।

इकाई–1 : **दलित विमर्श** : अवधारणा और इतिहास, फुले और अम्बेडकर। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 : **स्त्री विमर्श** : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय) **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 : **आदिवासी विमर्श** : अवधारणा और इतिहास : जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 : **विमर्शमूलक कथा साहित्य :**
कैलाष बानखेड़े – सत्यापन
सुषीला टाकभौरे –सिलिया
नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 : **विमर्शमूलक कविता :**
ओमप्रकाष वाल्मीकि ठाकुर का कुआं
असंगघोष – मैं दूँगा माकूल जवाब
कात्यायनी –सात भाइयों के बीच चम्पा,
अनामिका –स्त्रियाँ **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- सिमोन द बोउवा – स्त्री उपेक्षिता, अनुवाद प्रभा खेतान।

- गुलामगीरी– ज्योतिबा फुले, सम्यक प्रकाषन, नई दिल्ली।
- प्रभा खेतान – उपनिवेश में स्त्री, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र–ओमप्रकाश बाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाषन, नई दिल्ली।
- दलित आंदोलन का इतिहास– मोहनदास नैमिशराय
- आदिवासी अस्मिता का संकट– रमणिका गुप्ता

सहायक ग्रंथ–

- अंबेडकर रचनावली – भाग–1, अंबेडकर फाउझउेषन, नई दिल्ली
- औरत होने की सजा– अरविंद जैन, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली, संस्करण 2006
- नारीवादी राजनीति– जिनी निवेदिता, हिन्दी माध्यम क्रियान्वयन निदेषालय, दिल्ली विष्वविद्यालय
- स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा– सुधा सिंह, हिन्दुस्तान एकेडमी, दिल्ली।

सेमेस्टर – 6

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ऐच्छिक पाठ्क्रम (सामान्य वैकल्पिक) –2
Generic Elective (GE)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-GE-612	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

लोकसाहित्य और संस्कृति

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में सैद्धांतिक साहित्य के साथ-साथ व्यावहारिक लोक साहित्य और संस्कृति का बोध होगा। लोक साहित्य के मनुष्य के जीवन का साहित्य है, जिसमे मनुष्य जीवन का यथार्थ अनुभव और आदर्श व्याप्त रहता है। इसके साथ ही लोक साहित्य में निहित बोलियों, लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा और लोकनाट्य के माध्यम से समाज की मूल भावना को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई –1 : लोकसाहित्य अवधारणा और स्वरूप–

लोक का अर्थ, परिभाषा और क्षेत्र। लोकजीवन और लोकसंसकृति एवं लोककला।

(15 व्याख्यान)

इकाई –2 : विभिन्न जनपदीय बोलियॉ और लोकसाहित्य–

राजस्थानी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, छत्तीसगढ़ी, कौरवी, भोजपुरी, कन्नौजी।

(15 व्याख्यान)

इकाई –3 : लोकसाहित्य की विधायें –

लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा व लोकनाट्य।

(15 व्याख्यान)

इकाई –4 : प्रकीर्ण लोकसाहित्य : लोकोक्ति, मुहावरें, बतकही, गारी व अन्य।

(15 व्याख्यान)

इकाई –5 : लोकसंस्कृति–

संस्कार, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोकवाद्य, वेष–भूषा आदि।

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- लोकसाहित्य और संस्कृति – दिनेष्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाषन, इलाहाबाद।
- लोक संस्कृति : आयाम एवं परिप्रेक्ष्य– महावीर अग्रवार, शंकर प्रकाषन, दुर्ग, म.प्र.।

- भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा– दुर्गा भागवत सम्पादक
- लोक साहित्य : सिद्वान्त और प्रयोग – श्रीराम ष्षर्मा

सहायक ग्रंथ–

- लोकसाहित्य– राजेष श्रीवास्तव, कैलाष बुक सदन, भोपाल।
- लोकसाहित्य–ष्याम परमार।
- लोकसाहित्य–लेखआलेख, मोहन पाटिल।
- भारतीय लोकसाहित्य कोष–सुरेष गौतम।
- लोकसाहित्य विज्ञान–डॉ. सत्येन्द्र।

सेमेस्टर – 6

CBCS

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

Discipline Specific Elective (DSE)

विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्क्रम – 3

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट

HIN-EC-613	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यमों के अभिप्राय, स्वरूप और उसकी अवधारणा की समझ विकसित होगी, जिससे वह अपने जीवन में संचार माध्यम का समुचित अनुप्रयोग कर सकेगा और अपने जीवन शैली को सरल बना सकेगा। साथ ही वह समाचार लेखन, विद्यापन लेखन, धारावाहिक लेखन, पोस्टर निर्माण, कार्टून आदि के द्वारा रोजगार के अवसर विकसित करेगा।

इकाई –1 जनसंचार : अभिप्राय, स्वरूप एवं विस्तार।
जनसंचार माध्यम, जनसंचार माध्यमों में लेखन, प्रभाव एवं क्षेत्र। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –2 जनसंचार माध्यमों का विकास, उपयोगिता एवं महत्व।
जनसंचार माध्यमों का वर्गचरित्र और सम्प्रेष्ण।
जनमाध्यमों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक भूमिका। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –3 समाचार लेखन, फीचर लेखन, समाचार शीर्षक, पेजमेकिंग।
सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ लेखन, फीडबैक।
रेडियों एवं टी.वी. लेखन, विज्ञापन लेखन, फिल्म लेखन। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –4 जनसंचार के वैकल्पिक माध्यम : अभिप्राय, विकास और महत्व।
पोस्टर निर्माण, कोलाज, कार्टून, होर्डिंग।
संगीत, नुक्कड़ नाटक, गीति–नाटिका, प्रहसन आदि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –5 जनसंचार के आधुनिक आयाम –
सोषल सइट्स आरकुट, ट्विटर, फेसबुक, ब्लाग का समसामयिक महत्व एवं उपयोग।
हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में बेवसाहित्य की भूमिका।
कम्प्यूटर एवं इण्टरनेट की उपयोगिता एवं महत्व। **(15 व्याख्यान)**

संदर्भ ग्रंथ

- नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी– सुधीष पचौरी
- अन्तर सांसकृतिक संचार – डॉ. मुक्तिनाथ झा, अर्चना षर्मा

सेमेस्टर – 6

CBCS
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक
Discipline Specific Elective (DSE)

विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्क्रम – 3

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 90 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-612	(6×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		6	0	0	6

सृजनात्मक हिन्दी कथेतर विधाएँ

उद्देश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लेखन के माध्यम से उनके अन्दंर सृजनात्मक लेखन विकास होगा। हिन्दी साहित्य विविध विधाओं आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, निबन्ध, व्यंग्य, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, यात्रा–वृतांत आदि को पढ़कर विद्यार्थी में लेखन शैली का ज्ञान विकसित हो सकेगा, जिससे लोगों मे साहित्य के प्रति जीवनंता बनी रहे और आने वाली पीढ़ी उससे अभिप्रेरित होती रहे।

इकाई : 1 – आत्मकथा : हरिवंश राय बच्चन – क्या भूल क्या याद करूँ
(15 व्याख्यान)

इकाई : 2 – जीवनी : डॉ. हरीसिंह गौर – सेवेन लाइब्ज
(15 व्याख्यान)

इकाई : 3 – संस्मरण : विश्वनाथ त्रिपाठी – व्योमकेष दरवेष
(15 व्याख्यान)

इकाई : 4 निबन्ध और व्यंग्य :

निबन्ध : सरदार पूर्णसिंह – मजदूरी और प्रेम
: कृष्णबिहारी मिश्र – बेहया का जंगल और नई–नई घेरान
व्यंग्य : शरद जोशी – अतिथि तुम कब जाओगे
: श्रीलाल शुक्ल – अंगद का पांव **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 5 रेखाचित्र, रिपोर्ताज और यात्रा वृतांत :
रेखाचित्र : रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया
रिपोर्ताज : रामनारायण उपाध्याय – मांडव
यात्रा वृतांत : निर्मल वर्मा – सुलगती टहनी **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- सेवेन लाइब्ज–डॉ0 हरीसिंह गौर (अनुवाद राजेष श्रीवास्तव), विष्वविद्यालय प्रकाषन, सागर (म0प्र0)।

- व्योमकेष दरवेष–विश्वनाथ त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद।
- क्या भूल क्या याद करू–हरिवंश राय बच्चन, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
- अतीत के चलचित्र–महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद।
- एक सफेद बाल–हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- अतिथि तुम कब जाओगे –शरद जोशी, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी का गद्यसाहित्य, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद।